



ब्रिक्स मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश

दुनिया में लगातार बढ़ रहा तनाव संकट किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मंच से दुनिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक चुनौतियों को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में दुनिया के सामने कई तरह के संकट हैं और ये चुनौतियां किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। ऐसे समय में देशों के बीच सहयोग और साझा प्रयासों को और मजबूत करने की जरूरत है। ब्रिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच साझा दृष्टिकोण को व्यावहारिक और सभी के लिए लाभकारी सहयोग में



बदलना समय की जरूरत है। पीएम मोदी ने ब्रिक्स के सहयोग को 'विन-विन' यानी सभी पक्षों के लिए लाभकारी बनाने की जरूरत बताई। उनका संदेश रहा कि सदस्य देशों के बीच आर्थिक, तकनीकी और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने से न केवल

संबंधित देशों को फायदा होगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने बदलती दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि साझा हितों पर आधारित साझेदारी

साझा प्रयासों से ही चुनौतियों का समाधान

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया कई स्तरों पर तनाव और अस्थिरता का सामना कर रही है। किसी एक हिस्से में पैदा होने वाला संकट भी अब दूसरे क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में वैश्विक समुदाय के सामने मिलकर समाधान तलाशने की चुनौती है। उन्होंने ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को और व्यापक बनाने पर जोर देते हुए कहा कि साझा सोच को केवल चर्चा तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे ठोस और परिणाम देने वाले सहयोग में बदलना जरूरी है।

वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए सहयोग जरूरी

मोदी का यह संदेश ऐसे समय आया है जब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तनाव और संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी चुनौती का प्रभाव सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। इसलिए देशों को आपसी सहयोग, संवाद और साझा प्रयासों के जरिए आगे बढ़ना होगा। ब्रिक्स मंच से प्रधानमंत्री का संबोधन वैश्विक सहयोग, साझा विकास और स्थिरता की दिशा में भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकती है।

ब्रिक्स समिट 2026: आखिरी दिन चिनफिंग ने रखा 'ग्रेटर ब्रिक्स' का रोडमैप



बढ़ने का रोडमैप पेश किया। उन्होंने ब्रिक्स के दायरे और सहयोग को व्यापक बनाने पर जोर दिया। सम्मेलन के दौरान सदस्य देशों के बीच वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, विकास, बहुपक्षीय सहयोग और

अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। ब्रिक्स देशों के नेताओं ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

'ग्रेटर ब्रिक्स' को लेकर चीन का जोर

शी चिनफिंग ने ब्रिक्स के विस्तार और संगठन की भूमिका को और प्रभावी बनाने की दिशा में अपना दृष्टिकोण सामने रखा। 'ग्रेटर ब्रिक्स' की अवधारणा के तहत सदस्य देशों के बीच सहयोग का दायरा बढ़ाने और साझा हितों पर मिलकर काम करने पर जोर दिया गया। चीन की ओर से पेश किए गए रोडमैप को संगठन के भविष्य की दिशा तय करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करना है।

अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। ब्रिक्स देशों के नेताओं ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

वैश्विक सहयोग पर रहा फोकस

ब्रिक्स सम्मेलन में आर्थिक सहयोग के साथ-साथ वैश्विक शासन व्यवस्था, विकास, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता जैसे मुद्दे भी चर्चा के केंद्र में रहे। सदस्य देशों ने आपसी साझेदारी को मजबूत करने और साझा चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई। सम्मेलन के आखिरी दिन की गतिविधियों के साथ ब्रिक्स समिट 2026 का प्रमुख चरण पूरा हुआ।

दिल्ली से चीन रवाना हुए शी चिनफिंग

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दिल्ली से अपने देश के लिए रवाना हो गए। सम्मेलन के दौरान उन्होंने अन्य राष्ट्रपतियों के साथ विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की। भारत में आयोजित इस ब्रिक्स सम्मेलन को संगठन के भविष्य और वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती भूमिका के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

किताबों से निकलकर संग्रहालय पहुंचेगा इतिहास यूपी में छात्रों की लगेगी 'विरासत पाठशाला'

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार अब जेन जी को किताबों से आगे ले जाकर अपनी जड़ें, इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की तैयारी में है। इसके लिए राजकीय संग्रहालयों और विद्यार्थियों को 'एक दिवसीय अध्ययन यात्रा योजना' के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। पहले की शुरुआत लखनऊ स्थित राज्य संग्रहालय से हुई, जहां लखनऊ जन्मपद के पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, माल और पीएम श्री राजकीय उत्तर प्रदेश सैनिक इंटर कॉलेज, सरोजनीनगर के करीब 600 छात्र-छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण किया। संग्रहालय में ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से देखने और उनके बारे में जानने को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखाई



दिया। अब 15 सितंबर को उन्नाव के तीन पीएम श्री विद्यालयों के विद्यार्थी राज्य संग्रहालय आएंगे। वहीं 16 और 17 सितंबर को सीतापुर के सात पीएम श्री विद्यालयों के करीब 3000 विद्यार्थी संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। योजना के तहत 18 सितंबर को रायबरेली जिले के पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज फतेहपुर, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जेतपुर मोड़ और पीएम श्री राजकीय बछरावां और पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज डीह के विद्यार्थी लखनऊ में

शैक्षिक भ्रमण करेंगे। इसके बाद 19 सितंबर को बाराबंकी के पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज सूरतगंज, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हैदरागढ़, पीएम श्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरौलीजाटा, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज फतेहपुर, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जेतपुर मोड़ और पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज बाराबंकी के विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बिहार में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया की जांव के लिए पैनल गठित

अमृत उजाला संवाददाता

बिहार। बिहार में स्टेट यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के मौजूदा स्ट्रक्चर का रिव्यू करने और उसके बाद बड़े सुधारों का सुझाव देने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाई गई है। एक टॉप अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पैनल में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी ऑफिसर अमरजीत सिन्हा और संजय कुमार, जाने-माने फिजिसिस्ट और पद्म श्री अवार्डी प्रोफेसर एच सी वर्मा और दो अन्य सदस्य शामिल हैं। राज्यपाल के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी दीपक कुमार सिंह ने बताया, 'गवर्नर सेक्रेटैरिएट में एडिशनल सेक्रेटरी (यूनिवर्सिटी) संजय कुमार कमेटी के मेंबर सेक्रेटरी के तौर पर काम करेंगे। कमेटी असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के प्रोसेस के अलग-अलग पहलुओं पर गौर करेगी।

यूपी में अब दो किस्तों में मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन पाने वाले लाभार्थियों के लिए व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब पात्र बुजुर्गों को पेंशन की राशि दो किस्तों में उपलब्ध कराई जाएगी। नई व्यवस्था का उद्देश्य लाभार्थियों को समय पर पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करना और योजना के संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाना है। नई व्यवस्था के तहत पेंशन की रकम एक साथ देने के बजाय अलग-अलग किस्तों में लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। इससे पात्र बुजुर्गों को नियमित आर्थिक सहायता मिलती रहेगी। यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार की वृद्धावस्था पेंशन योजना के पात्र लाभार्थियों पर लागू होगी। जिन बुजुर्गों का नाम योजना में दर्ज है और जो निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी



करते हैं, उन्हें नई भुगतान व्यवस्था के तहत पेंशन का लाभ मिलेगा। लाभार्थियों के बैंक खाते और अन्य जरूरी विवरण सही होना भी जरूरी है, ताकि पेंशन की राशि भेजने में किसी तरह की पोशानी न हो। वृद्धावस्था पेंशन योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को

नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। सरकार की ओर से समय-समय पर पेंशन भुगतान और लाभार्थियों के सत्यापन से जुड़ी प्रक्रिया को अपडेट किया जाता है। नई किस्त व्यवस्था लागू होने के बाद लाभार्थियों को भुगतान की तारीख और खाते में राशि आने की स्थिति

दो किस्तों में भुगतान की व्यवस्था

नई व्यवस्था में पेंशन का भुगतान दो किस्तों में किए जाने का प्रावधान किया गया है। इसका मकसद पेंशन वितरण की प्रक्रिया को सुचारु बनाना और लाभार्थियों तक सरकारी सहायता समय पर पहुंचाना है। लाभार्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी और योजना में दर्ज विवरण को दुरुस्त रखें। किसी तरह की समस्या आने पर संबंधित विभाग या स्थानीय स्तर पर योजना से जुड़े अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है।

पर नजर रखनी होगी। इससे उन्हें अपनी पेंशन की रकम के बारे में समय रहते जानकारी मिल सकेगी।

शिव महापुराण कथा में पहुंचे सीएम योगी, बोले- धार्मिक आयोजनों से सनातन धर्म का होता है प्रचार-प्रसार

अमृत उजाला संवाददाता

रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को रायबरेली पहुंचे। लखनऊ से हेलीकॉप्टर के जरिए वह ऊंचाहार क्षेत्र के चड़ई स्थित टोल प्लाजा के पास आयोजित शिव महापुराण कथा के आयोजन स्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही वहां मौजूद श्रद्धालुओं और लोगों में उत्साह देखने को मिला। आयोजन के संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कथा स्थल पर पहुंचकर शिव महापुराण कथा का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने धार्मिक आयोजन में सहभागिता की



और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से सनातन धर्म का व्यापक स्तर पर प्रचार और प्रसार होता है। उन्होंने धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने की बात कही। ऊंचाहार के चड़ई स्थित टोल प्लाजा के पास चल रही शिव महापुराण कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

58 हजार पंचायत सहायकों के

सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से करे विचार: मायावती

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पंचायत सहायकों को बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती का समर्थन मिला है। मायावती ने प्रदेश सरकार से पंचायत सहायकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक और गंभीरता से विचार करने की अपील की है। मायावती ने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतों में काम कर रहे करीब 58 हजार पंचायत सहायकों की मांगों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पंचायत सहायकों की समस्याओं का उचित समाधान निकालने के लिए उनसे बातचीत की जाए। पंचायत सहायक अपनी



विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे गांवों में सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं हो पा रहा है। मायावती ने पंचायत सहायकों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार को उनकी मांगों पर

सरकार से समाधान निकालने की अपील

बसपा प्रमुख ने कहा कि किसी भी कर्मचारी या सविदाकर्म की मांगों को केवल आंदोलन के आधार पर नजरअंदाज करने के बजाय उनकी समस्याओं और परिस्थितियों को समझना जरूरी है। उन्होंने प्रदेश सरकार से पंचायत सहायकों की मांगों पर विचार कर उचित निर्णय लेने की अपील की। मायावती के इस बयान से पंचायत सहायकों के आंदोलन को राजनीतिक समर्थन मिलने की चर्चा तेज हो गई है। अब नजर सरकार की ओर से इस मामले में उठाए जाने वाले अगले कदम पर है।

सकारात्मक रख अपनाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार बातचीत के जरिए इस मामले का समाधान निकाल सकती है।

समर्थन में मायावती

मायावती बोलीं- मैं बीमार नहीं, बिल्कुल ठीक हूं, लंबे ट्वीट देखकर फैला भ्रम, इसलिए खुद सामने आई

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपनी सेहत को लेकर चल रही चर्चाओं पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह बीमार नहीं हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं। मायावती ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके लंबे ट्वीट देखकर कुछ लोगों के बीच उनकी तबीयत को लेकर भ्रम पैदा हो गया था। इसी वजह से उन्हें खुद सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी। मायावती ने कहा कि हाल के दिनों में उनके सोशल मीडिया पोस्ट और लंबे ट्वीट को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही थीं। कुछ लोगों ने इन पोस्ट को उनकी तबीयत से जोड़कर देखा

शुरू कर दिया। इसके बाद उनकी सेहत को लेकर भ्रम और चर्चाएं बढ़ने लगीं। बसपा प्रमुख ने इन तमाम अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी तबीयत बिल्कुल ठीक है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि उन्हें स्वास्थ्य को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मायावती ने यह भी संकेत दिया कि सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट की लंबाई या शैली को देखकर किसी व्यक्ति की सेहत के बारे में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। मायावती की ओर से लगातार विस्तृत पोस्ट किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर उनकी सेहत को लेकर सवाल उठने लगे थे। कुछ लोगों ने उनके लंबे संदेशों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति से जोड़कर देखा।

मग्न में स्वाइन फ्लू से एक ओर मरीज की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के बीच एक और मरीज की मौत हो गई। संक्रमण की चपेट में आए भोपाल के एक बुजुर्ग ने शनिवार रात निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। भोपाल में इस साल स्वाइन फ्लू से यह पहली और प्रदेश में एक माह में चौथी मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, भोपाल के ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी निवासी राम सिंह (80) स्वाइन फ्लू से संक्रमित थे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमण के चलते उन्हें गंभीर रेस्पिरटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और एक्यूट रेस्पिरटरी फेलियर हो गया था। बुजुर्ग पहले से ही हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों से पीड़ित थे। इससे पहले 11 सितंबर की रात उज्जैन में एक महिला मरीज की मौत हुई थी।

-डॉ. दीपक गोस्वामी

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर सोमनाथ को एक अलग बैकट होने जा रही है। प्रदेश के 33 जिलों के जिलाधिकारियों (DM) को राजधानी लखनऊ बुलाया गया है। इस बैकट में अयोध्या, लखनऊ, कानपुर, बहराइच, सुलतानपुर समेत कई जिलों के डीएम शामिल होंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, अलग-अलग संडलों और जिलों से जुड़े प्रशासनिक अधिकारियों को मौजूदा तरीके में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैकट के लिए पत्र जिलों के जिलाधिकारियों को बुलाया गया है, उनमें पूर्वचल से लेकर बुंदेलखंड और पश्चिमी ग्रीपी तक के जिले शामिल हैं।

इन जिलों के डीएम होंगे शामिल:
अयोध्या के डीएम शशांक त्रिपाठी,
अंबेडकरनगर की डीएम ईशा प्रिया,

अयोध्या। अयोध्या में कार्तिक माह

की पंचकोशी और 14 कोशी परिक्रमा से पहले तैयारियां तेज हो गई हैं। दिन में निर्माण और विकास कार्य से बदल रहे परिक्रमा मार्ग रात होते ही रोशनी से जगमगा रहे हैं। सदकों के किनारे लगी लाइटों से पूरे मार्ग का स्वरूप बदला हुआ नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि दीपोत्सव के दौरान 8 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन मार्गों का लोकार्पण कर सकते हैं। इसके बाद इन्हें अयोध्या की जनता को सौंपने की तैयारी है। बचे हुए कामों को पूरा करने के लिए प्रशासन भी तत्परात निगरानी कर रहा है। पंचकोशी परिक्रमा मार्ग का ज्यादातर काम पूरा हो चुका है। कुछ जगहों पर छोटे काम बचाए हैं

अमृत उजाला संवाददाता

बहराइच। कजरीतीज पर्व के अवसर पर 14 सितंबर को श्री सिद्धनाथ बाबा कांवड़िया संघ की ओर से भगवान महाकाल की पालकी के साथ भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा की तैयारियां संघ की ओर से पूर्वी कर ली गई हैं। संघ के संरक्षक देवीद्व गुप्ता ने बताया कि करीब दो दशकों से कजरीतीज पर्व के अवसर पर श्री सिद्धनाथ बाबा कांवड़िया संघ की ओर से भगवान महाकाल की पालकी के साथ कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। इसी क्रम में सोमवार सुबह करीब आठ बजे मरी माता मंदिर, गोलवाघाट से भोले बाबा के भक्तों और कांवड़ियों की मौजूदगी में यात्रा शुरू होगी। कांवड़ यात्रा मरी माता



बाराबंकी के डीएम ईशान प्रताप सिंह,
सुलतानपुर के डीएम इंद्रजीत सिंह,
अमेठी के डीएम संजय चौहान, गोंडा
की डीएम प्रियंका निरंजन और
बहराइच के डीएम राजेश कुमार
पांडेय को बैठक में बुलाया गया है।
इसके अलावा बलरामपुर के डीएम
विपिन कुमार जैन, श्रावस्ती की
डीएम अन्नपूर्णा गर्ग, लखनऊ के
डीएम विशाख जी, हरदोई के डीएम
अनुराग झा, लखीमपुर खीरी के

અમૃત ઝજાલા સંવાદદાતા

बाराबंकी। घाघरा नदी के बढ़ते जलस्तर से सूरगंज क्षेत्र के तटमापूर धाम और आसपास के गांवों में बाढ़ के हालात बढ़े हुए हैं। शनिवार को स्थिति का जायजा लेने के लिए सांसद तनुज पुनिया और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन के नेतृत्व में कांस का प्रतिनिधिमंडल बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें राहत उपकरी के पैकेट वितरित किए। मौके पर मौजूद एसडीएम रामनगर, तहसीलदार रामनगर और बाढ़ कार्यखंड के अधिशासी अभियंता को



सांसद ने प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, पेयजल और रहने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाद प्रभावित लोगों से मुलाकात कर बाढ़ से हुए जन-धन के नुकसान की जानकारी भी ली। सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि हेतुमायु धाम और आसपास के क्षेत्रों में पैदा हुई स्थिति विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही, विफलता और भ्रष्टाचार को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले को लेकर शासन को तुरंत लिखकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी। जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई कराई जाएगी।

कानपुर देहात के डीएम कपिल सिंह को भी लखनऊ पहुंचना है। पश्चिमी और बुंदेलखंड क्षेत्र से रामदादाबाद के डीएम डॉ. राजेंद्र मौर्या, बिजनौर की डीएम जसजीत कौर, अमरोहा के डीएम नितिन गौड़, रामपुर के डीएम अजय कुमार द्विवेदी, संभल के डीएम अंकित खंडेलवाल, चित्रकूट के डीएम पुलकित गर्ग, बादा के डीएम अमित आसंरी, हमीरपुर के डीएम अभिषेक गोयल, महोबा की डीएम गजल भारद्वाज, झांसी के डीएम गौरंग राठी, जालौन के डीएम समीरा ठाकुर और ललितपुर के डीएम सत्य प्रकाश भी बैठक में मौजूद रहेंगे। सोमवार को होने वाली इस बैठक को प्रशासनिक लिहाज से अहम माना जा रहा है। हालांकि, बैठक में किन मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा होगी, ऐसे लेकर अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही, विफलता और भ्रष्टाचार को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले को लेकर शासन को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी। जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई कराई जाएगी।

અમૃત ડાહ્યા સંવાદદાતા

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का निधन हो गया है। उनके

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यवती मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य और पूर्वी राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी का निधन बेहद दुःखद है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भावना श्रीराम से प्रार्थना की कि उन्हें सद्गति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें।

अमृत उजाला संवाददाता

कानपुर। कानपुर में साइबर ठगी के एक बड़े टेक्वर्क की जांच कर रही पुलिस के सामने करोड़ों नहीं, बल्कि हजारों करोड़ रुपये के सॉफ्टवेयर बैंकिंग लेन-देन का मामला सामने आया है। साइबर फ्राडम टीम ने निवेश के नाम पर लोगो को कथित तौर पर जाल में फंसाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, कानपुर के 14 अलग-अलग बैंकों में खोले गए 72 खातों से करीब 5600 करोड़ रुपये के सॉफ्टवेयर ट्रांजेक्शन मिले हैं। इन बैंक खातों की जानकारी नेपाल साइबर फ्राड रिपोर्टिंग पोर्टल (हय्जन्क) के रिकॉर्ड से मिलाने पर 86 ऐसी शिकायतों का भी पता चला, जो अबला-अलग राज्यों में दर्ज हैं। इसके बाद पुलिस ने बैंकिंग क्षेत्र की गहराई से जांच शुरू कर दी है। पुलिस



दो आरोपी गिरफ्तार, 65 लाख से ज्यादा कैश बरामद
पुलिस ने इस मामले में कानपुर के रहने वाले शाहजेब वारिस और सलमान को पकड़ है। दोनों के पास से 65 लाख 26 हजार रुपये नकद मिले हैं। तलाशी के दौरान दो मोबाइल फोन, तीन चेकबुक, दो एटीएम कार्ड और बैंक खाते खुलवाने से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए। इसके अलावा कैश जमा और निकासी की रसीदें, तस्कर से जुड़े कागजत और उधम संबंधी दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं। अब जांच टीम इन दस्तावेजों और मोबाइल में मौजूद डिजिटल जानकारी के आधार पर नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

कमिश्नर रघुबीर लाल के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि

गिरोह लोगों को निवेश के जरिए ज्यादा रिटर्न दिलाने का भरोसा देता



हुए स्पष्ट किया है कि उनके हर पोस्ट का संबंध उनके रिश्ते से नहीं होता। जैसिमन ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए उन मीडिया पेजों पर नाराजगी जताई कि, जिन्होंने उनके टैटू वाले पोस्ट को ब्रेकअप का संकेत बताया था। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी जिंदगी में आने वाला हर 'क्रिटिक' मैसेज उनके रिश्ते के बारे में नहीं होता। कई बार एक महिला केवल अपने बाएं भी बात कर रही होती है। उन्होंने मीडिया पेजों पर सिर्फ व्यूज और ध्यान आकर्षित करने के लिए पोस्ट का अलग अर्थ निकालने का आरोप लगाया। अभिनेत्री ने कहा कि कई बार कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल कर ऐसी खबरों का माहौल बनाया जाता है, जिससे ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित हो। उन्होंने प्रशंसकों से ऐसी अटकलों को लेकर ज्यादा परेशान न होने की अपील भी की। जैसिमन की प्रतिक्रिया के बाद उनके प्रशंसकों के बीच यह संदेश गया कि उनके टैटू का उद्देश्य अपने रिश्ते को लेकर कोई संकेत देने नहीं था। दरअसल, जैसिमन ने अपने पहले टैटू के बारे में बताते हुए कहा था कि लंबे समय तक वह खुद को दूसरों की पसंद और उम्मीदों के अनुसार ढालने की कोशिश करती रही। उन्हें लगता था कि प्यार, स्वीकार्यता के बजाए और किसी की जिंदगी में अपनी जगह बनाने के लिए उन्हें खुद में बदलाव करना जरूरी है। इस कोशिश में वह धीरे-धीरे अपनी असली पहचान खोने लगी थी। जैसिमन ने बताया कि एक हीलिंग सेशन के दौरान उन्हें अपनी जिंदगी को लेकर महत्वपूर्ण एहसास हुआ। उन्हें समझ आया कि किसी दूसरे व्यक्ति की दुनिया में फिट होने के लिए खुद को छेड़ कर या बदलने की जरूरत नहीं है। इसी सोच को हमेशा अपने साथ रखने के लिए उन्होंने 'आई एम इनक' यानी 'मैं अपने लिए पर्याप्त हूँ' को अपने पहले टैटू के रूप में चुना। इसी पोस्ट के बाद लोगों ने उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए। हालांकि, जैसिमन ने साफ कर दिया कि वह फिलहाल अपनी ऊर्जा ऐसे अटकलों पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अली गोनी और जैसिमन जैसे समग्र से रिश्ते में हैं और दोनों की जोड़ी को प्रशंसकों का काफी प्यार मिलता है।

निधन की जानकारी स

मीडिया के जरिए सा
की। उन्होंने अपनी प
को भावपूर्ण श्रद्धांजलि
हुए कहा कि सत्यव



पूरी कर ईश्वर के चरणों में
हो गई हैं। कलराज ने
दुखद खबर के सामने
राजनीतिक और सामाजिक

भारत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी सत्यवती मिश्रा के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी निधन की खबर के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में बीच शोक की लहर है। सोशल मीडिया के जरिए भी बड़ी संख्या में लोगों ने परिवार के प्रति संवेदना जताई और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रावस्ती। श्रावस्ती में शनिवार को एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली श्रावस्ती पहुंचे। उन्होंने सरिसिया स्थित हाजी ददन खान के घर पर उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। सदस्यता कार्यक्रम से पहले विमना में शौकत अली के काफिले को पुलिस ने रोक दिया था। वहीं रविबार 12:00 बजे जानकारी मिली कि बिना अनुमति जुलूस निकलने पर 7 अज्ञात समेत 50-60 पर पुलिस ने के केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि बिना अनुमति जुलूस निकालने, कई वाहनों के काफिले के साथ नारेबाजी करने और भीड़ जुटाने के मामले में कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में हाजी ददन खान और एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली समेत सात नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा करीब 50 से 60 अज्ञात लोगों को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है।

लैन-न

करोड़ रुपये के पूरे ट्र
जांच कर यह पता लगा
कर रही है कि इसम
साइबर ठगी की रकम लि
केतनी राशि सिर्फ
खातों के जरिए आगे
मूलाख और डिजिटल
जांच के दौरान 7 से 8
के नाम भी सामने अ
मुलिस ने कही है।

श्रावस्ती
एआए
शौकत
उन्होंने नि
खान के
सदस्यता
कार्यक्रम
अली के
रोक नि
12:00
बिना अ
7 अज्ञा
ने केस
बाया
निकालं
के साथ
जुटाने
खाई है।
खान अ
अध्यक्ष
नामजद
दर्ज कि
फ्री इ
भी इस
गया है।